

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्य प्रदेश ग्वालियर

समक्ष : एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 443-दो/2006 - विरुद्ध आदेश दिनांक 15-12-2005 - पारित द्वारा - अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना - प्रकरण क्रमांक 54/2004-05 निगरानी

- 1- राजेन्द्र सिंह तौमर पुत्र रणवीर सिंह
निवासी सिन्दे की छावनी लश्कर ग्वालियर
- 2- गोपालसिंह पुत्र रणवीर सिंह तौमर
- 3- कुलदीप पुत्र गोपाल सिंह
- 4- श्रीमती रामदेवी पत्नि स्व.रणवीर सिंह
तीनों निवासी गोपाल सदर जनकगँज
डिस्पेंशरी के पास छत्री मंडी ग्वालियर

--आवेदकगण

विरुद्ध

- 1- श्रीमती ममता तौमर पत्नि स्व.इन्द्रजीत तौमर
जंडेलसिंह भदौरिया का मकान,गीता भवन
वाली गली भिण्ड मध्य प्रदेश
- 2- विकाससिंह पुत्र राजेन्द्रसिंह निवासी शुभम्
काम्पलेक्स प्रथम तल नौगजा रोड
सिन्दे की छावनी लश्कर ग्वालियर

-- अनावेदकगण

(आवेदकगण के अभिभाषक श्री आर०डी०शर्मा)
(अनावेदकगण सूचना उपरांत अनुपरिथत-एकपक्षीय)

आ दे श

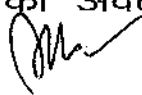
(आज दिनांक 10 - 6 - 2016 को पारित)

यह निगरानी अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के प्रकरण क्रमांक 54/2004-05 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 15-12-2005 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।




2/ प्रकरण का सारोश यह है कि ग्राम नौनेरा के कृषक रणवीर सिंह पुत्र छोटेलाल के नाम कुल किता 44 कुल रकबा 14.944 हैक्टर भूमि थी, जिनकी मृत्यु उपरांत ग्राम की नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 30 पर आदेश दिनांक 14-10-92 से वारिसान का नामान्तरण प्रमाणित किया गया, किंतु इस आदेश के उपरांत पुनः इसी भूमि पर ग्राम पंचायत नौनेरा के संकल्प क्रमांक 11 दिनांक 15-9-96 से आवेदकगण के हित में नामान्तरण किया गया। तदुपरांत नाथव तहसीलदार ने आदेश दिनांक 17-8-2000 बटवारा आदेश भी पारित कर दिया। पुनः नामांतरण करते समय अनावेदक क्र-1 का नाम छोड़ देने के कारण कलेक्टर भिण्ड को तदाशय का शिकायती आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर जांच कराकर कलेक्टर भिण्ड ने स्वमेव निगरानी प्रकरण क्रमांक 21/04-05 पंजीबद्ध किया तथा हितबद्ध पक्षकारों की सुनवाई उपरांत आदेश दिनांक 25-7-2005 पारित किया तथा ग्राम पंचायत नौनेरा का संकल्प क्रमांक 11 दिनांक 15-9-96, नाथव तहसीलदार का बटवारा आदेश दिनांक 17-8-2000 निरस्त करते हुये ग्राम की नामांतरण पंजी के सरल क्रमांक 30 पर आदेश दिनांक 25-8-92 से किये गये नामान्तरण को यथावत् रखा। इस आदेश के विरुद्ध अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना के समक्ष निगरानी होने पर प्रकरण क्रमांक 54/2004-05 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 15-12-2005 से निगरानी निरस्त की गई। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ आवेदकगण के अभिभाषक के तर्क सुने गए। अनावेदक क्र-1 सूचना उपरांत अनुपस्थित रहने से एकपक्षीय है। अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।



4/ आवेदकगण के अभिभाषक के तर्कानुक्रम में अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि ग्राम नौनेरा के कृषक रणवीर सिंह पुत्र छोटेलाल की मृत्यु उपरांत ग्राम की नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 30 पर आदेश दिनांक 14-10-92 से मृतक के सभी वारिसानों का नामान्तरण प्रमाणित किया गया है। प्रकरण में विचार योग्य बिन्दु है कि आवेदकगण के समक्ष ऐसी कौनसी विशेष परिस्थितियों बनी, जिनके द्वारा नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 30 पर आदेश दिनांक 14-10-92 से हुये नामान्तरण के तथ्य को नजरन्दाज करते हुये उसी भूमि पर ग्राम पंचायत नौनेरा के संकल्प क्रमांक 11 दिनांक 15-9-96 से पुनः नामान्तरण कराना पड़ा। इस सम्बन्ध में विद्वान कलेक्टर भिण्ड द्वारा आदेश दिनांक 25-7-2005 के पृष्ठ-6 पद 2 का निष्कर्ष निम्नवत् है :-

“ मृतक खातेदार रणवीर सिंह द्वारा निष्पादित बसीयतनामा के आधार पर नामान्तरण कार्यवाही उसके देहांत के तत्काल पश्चात् क्यों नहीं की गई। क्या ग्राम पंचायत को बसीयतनामा के आधार पर नामान्तरण आदेश पारित करने का अधिकार था या नहीं ? उक्त सम्बन्ध में म0प्र0 भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 में यह स्पष्ट प्रावधान किया गया है कि किसी भी पंजीयक दस्तावेज की सूक्ष्म जाँच करने का अधिकार राजस्व न्यायालय को है न कि ग्राम पंचायत को।”

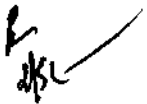
स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत द्वारा अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 30 पर आदेश दिनांक 14-10-92 से हुये नामान्तरण के तथ्य को नजरन्दाज करते हुये उसी भूमि पर ग्राम पंचायत के संकल्प क्रमांक 11 दिनांक 15-9-96 से अनावेदक क-1 का नाम नामान्तरण से हटाते हुये पुनः नामान्तरण करने में त्रुटि की गई है।

5/ आवेदकगण द्वारा ग्राम पंचायत के संकल्प क्रमांक 11 दिनांक



15-9-96 से कूटरचित नामान्तरण कराते हुये नायव तहसीलदार गोहद के समक्ष वादोक्त भूमि के बटवारा करने का आवेदन दे दिया एवं नायव तहसीलदार ने भी नामान्तरण पंजी के सरल क्रमांक 30 पर आदेश दिनांक 14-10-92 से हुये नामान्तरण के तथ्य को (अभिलेख को) नजरब्दाज करते हुये एवं संपूर्ण अभिलेख का परीक्षण किये बिना प्रकरण क्रमांक 2/99-2000 अ-27 में पारित आदेश दिनांक 17-8-2000 से बटवारा करने में त्रुटि की है जिसके कारण विद्वान कलेक्टर भिण्ड ने जाँच में कूटरचना पाये जाने से स्वमेव निगरानी क्रमांक 21/04-05 पंजीबद्ध कर हितबद्ध पक्षकारों को सुनवाई का समुचित अवसर देते हुये आदेश दिनांक 25-7-2005 से ग्राम पंचायत नौनेरा का संकल्प क्रमांक 11 दिनांक 15-6-96 तथा नायव तहसीलदार का बटवारा आदेश दिनांक 17-8-2000 निरस्त किया है जिसमें किसी प्रकार का दोष नजर नहीं आता है और इन्हीं कारणों से अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 54/2004-05 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 15-12-2005 से कलेक्टर के आदेश को हस्तक्षेप योग्य नहीं माना है।

6/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है एवं अपर आयुक्त, चम्बल संभाग, मुरैना द्वारा प्रकरण क्रमांक 54/2004-05 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 15-12-2005 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।





(एम0के0सिंह)

सदस्य

राजस्व मण्डल
मध्य प्रदेश ग्वालियर